E-ISSN No: 2456-6713 Print ISSN No: 3048-6459

International Educational Applied Research Journal

Peer-Reviewed Journal-Equivalent to UGC Approved Journal

A Multi-Disciplinary Research Journal

ग्वालियर के आर्थिक विकास का भौगोलिक अध्ययन (2011–2021)

[1]रूचि धाकड

[1]शोधार्थी, के.आर.जी. कॉलेज ग्वालियर

[2]डॉ. रंजना दीक्षित

[2]सेवानिवृत्त सहा.प्राध्यापक (भूगोल),माधव महाविद्यालय, ग्वालियर

[3]डॉ. शैलेन्द्र सिंह तोमर

[3]विभागाध्यक्ष (भूगोल), के.आर.जी. कॉलेज ग्वालियर

Paper Rcevied date

05/01/2025

Paper date Publishing Date

14/01/2025

DOI

. https://doi.org/10.5281/zenodo.14641219

शोध–सार

वर्तमान में आर्थिक विकास एक व्यापक अवधारणा है। आर्थिक विकास में कृषि एवं औद्योगिक विकास के साथ–साथ मानव संसाधनों का विकास भी सम्मिलित है। समुचित एवं वास्तविक आर्थिक विकास हेतु यह अति आवश्यक है कि मानव संसाधनों के सही उपयोग पर ध्यान दिया जाय, जिससे संसाधनों का उचित दोहन भी हो सके एवं श्रम, पूँजी व प्रबन्ध में सौहार्द्रपूर्ण सम्बन्ध भी बना रहे। विकासशील एवं अल्प विकसित देशों में कृषि के बिना आर्थिक विकास की कल्पना ही नहीं की जा सकती है। कृषि और उद्योग धन्धों का भारत में गहन सम्बन्ध है यदि यह कहा जाय कि कृषि और उद्योग धन्धे एक दूसरे पर निर्भर हैं तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी।

प्रस्तुत शोध–पत्र का मुख्य उद्देश्य ग्वालियर के आर्थिक विकास का भौगोलिक अध्ययन करना है। ग्वालियर धीरे–धीरे विकासशील नगर से विकसित नगर बनता जा रहा है क्योंकि यहाँ की आर्थिक स्थिति में लगातार सुधार हो रहा है। इसका प्रमुख कारण ग्वालियर नगर में पिछले कई वर्षों से कृषि की उन्नति के साथ–साथ रोजगार एवं व्यवसाय के नवीन अवसर प्रदान हो रहे हैं। व्यवसायिक गतिविधियाँ नगर में बढ़ गई हैं। उद्योग धन्धों के साथ–साथ मॉल संस्कृति ने जनमानस को अपनी ओर आकर्षित किया है। आर्थिक रूप से ग्वालियर अब नये आयाम छू रहा है।

मूल शब्द : आर्थिक विकास, यातायात, अवसंरचनात्मक विकास, शिक्षा, रोजगार, मानव संसाधन।

E-ISSN No: 2456-6713 Print ISSN No: 3048-6459

International Educational Applied Research Journal

Peer-Reviewed Journal-Equivalent to UGC Approved Journal

A Multi-Disciplinary Research Journal

प्रस्तावना :

स्वतंत्रता के पश्चात् ग्वालियर का औद्योगिक विकास तेजी के साथ हुआ, औद्योगिक विकास के साथ ही अर्थव्यवस्था भी मजबूत हुई। औद्योगिक विकास के कारण ही ग्वालियर में रोजगार, उत्पादन एवं निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि हुई जिससे ग्वालियर की अर्थव्यवस्था सशक्त हुई। कुछ दशक पहले ग्वालियर के जे.सी. मिल, स्टील फाउण्ड्री, सिमको एवं रेयन ने केवल भारत में ही नहीं बल्कि विश्व में अपना कीर्तिमान स्थापित किया। उच्च औद्योगिक स्तर वाले क्षेत्रों में व्यक्तियों का जीवन स्तर अनेक सुविधाओं के उपलब्ध होने के कारण उच्चतर रहता है। निश्चित रूप से किसी क्षेत्र के आर्थिक विकास में शिक्षित–प्रशिक्षित श्रम, नवीन वैज्ञानिक तकनीक, यातायात एवं संचार के साधन, उद्योग–धन्धे, प्रबन्धन एवं सरकारी नीतियों का महत्त्वपूर्ण योगदान रहता है। ग्वालियर का सौभाग्य रहा कि उसे उक्त सभी उपलब्ध रहा, इसीलिए ग्वालियर का आर्थिक विकास आसानी से हो सका। प्रस्तुत शोध 'ग्वालियर के आर्थिक विकास का भौगोलिक अध्ययन' ग्वालियर की अर्थव्यवस्था का भौगोलिक अध्ययन करना है।

अध्ययन के उद्देश्य

- ग्वालियर के आर्थिक विकास का अध्ययन करना।
- ग्वालियर के उद्योग–धन्धों का अध्ययन करना।
- ग्वालियर के यातायात के साधनों एवं रोजगार के साधनों का अध्ययन करना।
- ग्वालियर के अस्पताल, शिक्षा केन्द्र, सड़क, रेल, स्मार्ट सिटी परियोजना का अध्ययन करना।

अध्ययन तकनीक

उक्त शोध–पत्र में द्वितीयक आँकड़ों का प्रयोग किया गया है जिन्हें ग्वालियर जिले के विभिन्न शासकीय कार्यालयों एवं जिला सांख्यिकी पुस्तिकाओं से प्राप्त किया गया है।

अध्ययन क्षेत्र

ग्वालियर शहर मध्यप्रदेश के उत्तरी भाग में स्थित है। ग्वालियर को महर्षि 'गालव ऋषि की तपोभूमि' के नाम से जाना जाता है, ऐसा भी कहा जाता है कि गालव ऋषि या ग्वालियापा ऋषि के नाम पर ही इस स्थान का नाम ग्वालियर पड़ा। संगीत सम्राट तानसेन की जन्म स्थली भी ग्वालियर क्षेत्र में आती है और

E-ISSN No: 2456-6713 Print ISSN No: 3048-6459

International Educational Applied Research Journal

Peer-Reviewed Journal-Equivalent to UGC Approved Journal

A Multi-Disciplinary Research Journal

ग्वालियर तानसेन की साधना स्थली होने के कारण ग्वालियर को 'तानसेन की नगरी' कहा जाता है। ग्वालियर मध्यप्रदेश राज्य के उत्तरी भाग $26^0$13′ उत्तरी अक्षांश एवं $78^0$18′ पूर्वी देशांतर पर स्थित है। यह समुद्रतल से 212 मीटर की औसत ऊँचाई पर स्थित है। ग्वालियर शहर तीन प्रमुख उपनगरों से मिलकर बना है, जिसमें उत्तर दिशा में प्राचीन ग्वालियर, पूर्व दिशा में मुरार एवं दक्षिण दिशा में लश्कर स्थित है। ग्वालियर नगर स्वतंत्रता के पश्चात् मध्यभारत राज्य की राजधानी भी रहा है। ग्वालियर को भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय राजधानी के काउण्टर मैगनेट के रूप में विकसित करने हेतु भी चयनित किया गया है।

ग्वालियर जिले में तीन तहसील ग्वालियर (गिर्द), डबरा एवं भितरवार हैं। इसमें चार विकासखण्ड हैं : मुरार, डबरा, भितरवार, घाटीगाँव (बरई)। जिले में तीन नगर पंचायत बिलौआ, पिछोर एवं आँतरी हैं। जिले में दो नगर पालिका डबरा एवं भितरवर तथा एक नगर निगम ग्वालियर अवस्थित है।

सारणी क्रमांक–1

ग्वालियर जिले की अक्षांशीय स्थिति एवं उच्चावच

क्रमांक	जिला/विकासखण्ड	उत्तरी अक्षांश विस्तार	पूर्वी देशांतर विस्तार	समुद्रतल से ऊँचाई (मी.)
1	जिला ग्वालियर	25^0 43′–26^0 21′	77^0 40′–78^0 39′	205–212
2	मुरार	26^0 04′–26^0 21′	78^0 06′–78^0 38′	212
3	डबरा	25^0 47′–26^0 08′	78^0 08′–78^0 39′	205
4	घाटीगाँव	25^0 47′–26^0 21′	77^0 40′–78^0 10′	212
5	भितरवार	25^0 43′–26^0 06′	77^0 52′–78^0 16′	206

स्रोत : जिला सांख्यिकी पुस्तिका ग्वालियर 2016, पृ. क्र. 06

सारणी क्रमांक–2

ग्वालियर संभाग में जनसंख्या विवरण एवं लिंगानुपात

क्रमांक	जिला	कुल जनसंख्या (2011)	पुरूष	महिला	लिंगानुपात
1	ग्वालियर	2032036	1090327	941709	864

E-ISSN No: 2456-6713 Print ISSN No: 3048-6459

International Educational Applied Research Journal

Peer-Reviewed Journal-Equivalent to UGC Approved Journal

A Multi-Disciplinary Research Journal

2	दतिया	786754	420157	366597	873
3	शिवपुरी	1725050	919795	806255	877
4	गुना	1241519	649362	592157	912
5	अशोकनगर	845071	443837	401234	904

स्रोत : भारत की जनगणना 2011, जिला सांख्यिकी पुस्तिका (ग्वालियर, दतिया, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर)

उच्चावच

ग्वालियर संभाग का अधिकांश भाग पठार एवं ऊबड़–खाबड़ है। समुद्रतल से ग्वालियर की ऊँचाइ 300 मीटर से 500 मीटर तक है। ग्वालियर पठारी एवं मैदानी भागों में बँटा हुआ है। ग्वालियर जिले को उच्चावच की दृष्टि से तीन भागों में विभक्त किया गया है – मैदानी भाग, मध्यवर्ती पठारी भाग एवं पश्चिमी पठारी भाग। निम्न तालिका के माध्यम से ग्वालियर की अक्षांशीय स्थिति एवं उच्चावचों को प्रदर्शित किया गया है –

अपवाह तंत्र

ग्वालियर जिले के अपवाह तंत्र को दो भागों में विभाजित किया गया है, उत्तरी अपवाह तंत्र और दक्षिणी अपवाह तंत्र। उत्तरी अपवाह तंत्र में सांक, स्वर्ण रेखा, मुरार, सोन, वैशाली, आसन नदियाँ आतीं हैं। दक्षिणी अपवाह तंत्र में पार्वती, छछूंद, नून, सिंध नदियाँ आतीं हैं।

जलवायु

ग्वालियर की जलवायु मूलतः महाद्वीपीय है। यहाँ की जलवायु में स्थानीय पवनों की अधिकता, ताप परिसर की अधिकता, वायु की शुष्कता, वर्षा की न्यूनता आदि विशेषताएँ हैं। यहाँ ग्रीष्म, वर्षा एवं शीत तीनों ऋतुएँ पाई जातीं हैं।

स्थानीय मिट्टी

यहाँ पर काली, जलोढ़, छिछली, लाल–पीली मिश्रित मिट्टी पाई जाती है। जिले के पूर्वी भाग बुन्देलखण्ड में भार, काबर, पडुआ सकर, कछार एवं मोरम प्रकार की स्थानीय मिट्टी पाई जाती है।

E-ISSN No: 2456-6713 Print ISSN No: 3048-6459

International Educational Applied Research Journal

Peer-Reviewed Journal-Equivalent to UGC Approved Journal

A Multi-Disciplinary Research Journal

ग्वालियर की आर्थिक पृष्ठभूमि

ग्वालियर की अर्थव्यवस्था सशक्त है। ग्वालियर का सकल घरेलू उत्पाद 33.08 करोड़ (2020–21) है। कृषि उद्योग, परिवहन एवं संचार के साधन आर्थिक व्यवस्था के मुख्य आधार होते हैं। ग्वालियर में उक्त साधनों की पर्याप्त व्यवस्था है जो आर्थिक विकास में सराहनीय कार्य कर रहे हैं।

सारणी क्रमांक–3

ग्वालियर जिले का सकल घरेलू उत्पाद (GDP) एवं प्रति व्यक्ति आय (PCI) प्रचलित भावों पर

वर्ष	GDP	वृद्धि	PCI	वृद्धि
2011–12	11,402	–	49,289	–
2012–13	13,307	1,905	54,906	5,617
2013–14	15,727	2,420	65,303	10,397
2014–15	16,223	496	66,333	1,030
2015–16	18,405	2,182	75,003	8,670
2016–17	21,129	2,724	85,307	10,304
2017–18	22,604	1,475	89,756	4,449
2018–19	27,656	5,052	1,08,826	19,070
2019–20 (P)	31,229	3,573	1,21,274	12,448
2020–21 (Q)	33,084	1,855	1,25,351	4,077

P = Provisional (प्राविधिक), Q = Quick (त्वरित)

स्रोत : मध्यप्रदेश जिला घरेलू उत्पाद के अनुमान 2011–12 से 2020–21, आर्थिक एवं सांख्यिकी संचालनालय, मध्यप्रदेश।

E-ISSN No: 2456-6713 Print ISSN No: 3048-6459

International Educational Applied Research Journal

Peer-Reviewed Journal-Equivalent to UGC Approved Journal

A Multi-Disciplinary Research Journal

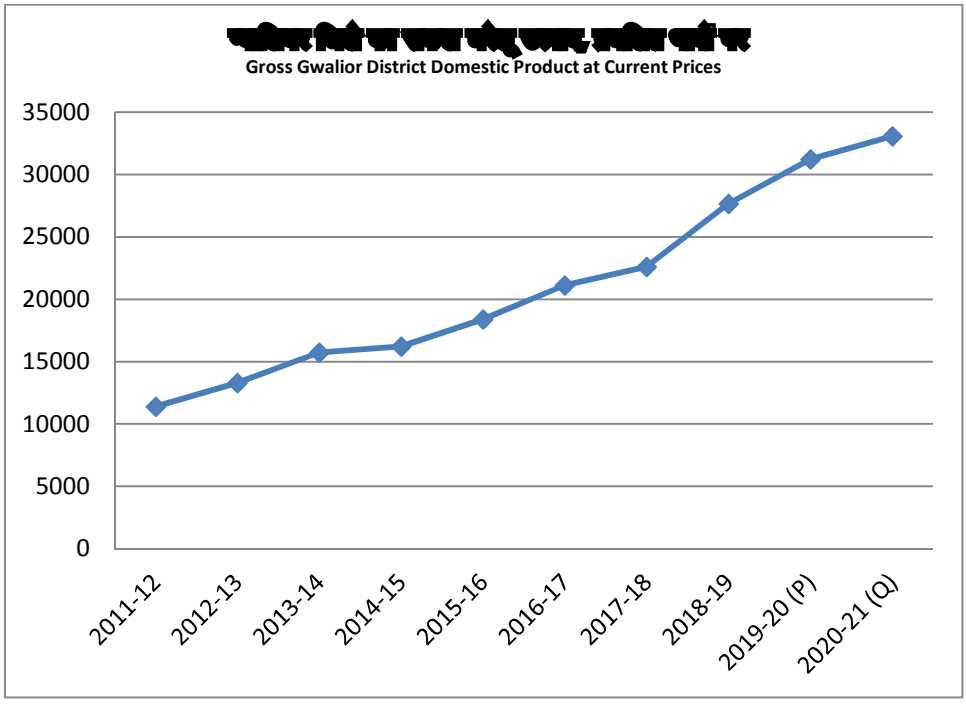

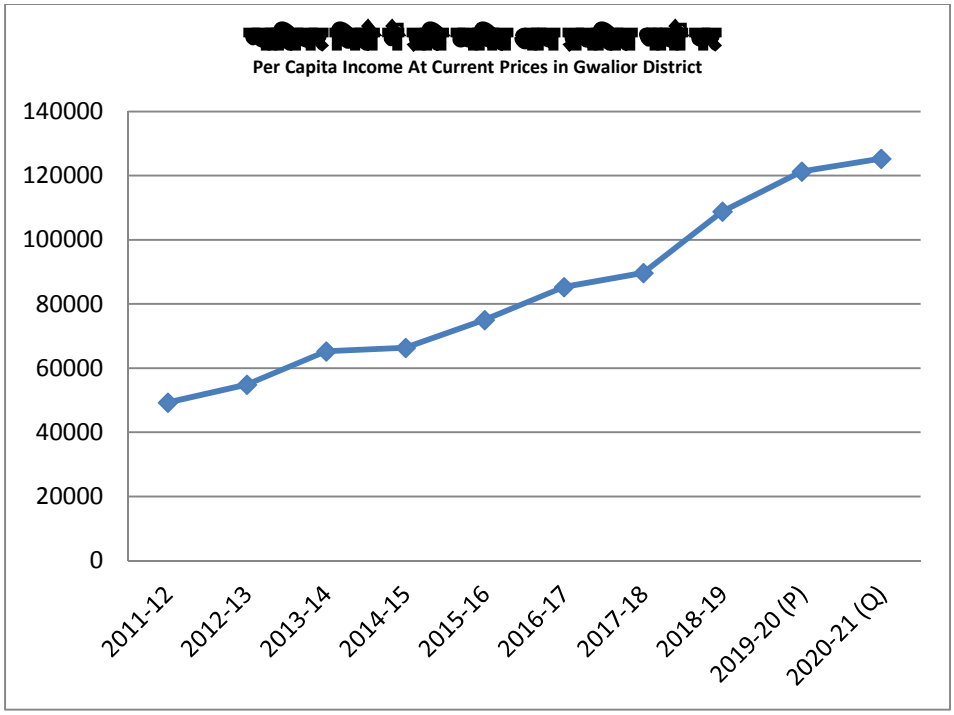

E-ISSN No: 2456-6713 Print ISSN No: 3048-6459

International Educational Applied Research Journal

Peer-Reviewed Journal-Equivalent to UGC Approved Journal

A Multi-Disciplinary Research Journal

सारणी क्रमांक–4

सकल मूल्य वर्धन, प्रचलित भावों पर (लाख रूपयों में)

विवरण	2011–12	2015–16	2020–21
विनिर्माण	155791	144810	306865
बिजली, गैस, जलापूर्ति और अन्य उपयोगी सेवाएँ	32500	25704	105865
निर्माण	166234	159906	297680
व्यापार, होटल, मरम्मत, जलपान गृह (Restaurant)	159498	187941	379614
परिवहन एवं भण्डारण	56238	65946	109406
रेलवे	13408	17903	30391
संचार एवं प्रसारण संबंधित सेवाएँ	27157	38758	72269
वित्तीय सेवाएँ	89589	19215	187175

स्रोत : मध्यप्रदेश जिला घरेलू उत्पाद के अनुमान 2011–12 से 2020–21, आर्थिक एवं सांख्यिकी संचालनालय, मध्यप्रदेश।

1. कृषि

प्राचीनकाल से ही कृषि ग्वालियर क्षेत्र की अर्थव्यवस्था का प्रमुख स्रोत रहा है। इस क्षेत्र में मनुष्य द्वारा अपनाए गए उद्यमों में कृषि सर्वाधिक प्राचीन एवं महत्त्वपूर्ण क्रिया है। कृषि के अन्तर्गत मुख्यतः तीन क्रियाएँ आतीं हैं– फसल उत्पादन, फल उत्पादन एवं पशुपालन। मध्यप्रदेश एवं ग्वालियर में कृषि जीवन आधार है, इसका अर्थव्यवस्था में महत्त्वपूर्ण योगदान है। संभाग में भूमि उपयोग के आँकड़ों से पता चलता है कि ग्वालियर संभाग में 12.35% क्षेत्र पर वनों का विस्तार है, 14.20% अकृष्य भूमि, 3.80% अन्य अकृष्य भूमि, 8. 81% कृषि योग्य बंजर भूमि, 5.94% परती भूमि एवं 55.52% शुद्ध बोई जाने वाली कृषि भूमि है।

सारणी क्रमांक–5

ग्वालियर जिले में गेहूँ एवं धान उत्पादन (मैट्रिक टन में)

फसल उत्पादन	2017–18	2018–19	2019–20
गेहूँ	247260	523109	655595
धान	39453	254297	419708

E-ISSN No: 2456-6713 Print ISSN No: 3048-6459

International Educational Applied Research Journal

Peer-Reviewed Journal-Equivalent to UGC Approved Journal

A Multi-Disciplinary Research Journal

स्रोत : आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश रोड मेप 2023 के संदर्भ में प्रमुख फसलों का जिलेवार उत्पादन और उपभोग विश्लेषण वर्ष 2017–18 से 2019–2020 तक, आर्थिक एवं सांख्यिकी संचालनालय मध्यप्रदेश।

सारणी क्रमांक–6

सकल मूल्य वर्धन, प्रचलित भावों पर (लाख रूपयों में)

विवरण	2011–12	2015–16	2020–21
प्राथमिक क्षेत्र	159583	297904	883504
द्वितीयक क्षेत्र	354526	463549	709840
तृतीयक क्षेत्र	583155	967163	1534509

स्रोत : मध्यप्रदेश जिला घरेलू उत्पाद के अनुमान 2011–12 से 2020–21, आर्थिक एवं सांख्यिकी संचालनालय, मध्यप्रदेश।

कृषि विकास में जनसंख्या एक सहायक एवं महत्त्वपूर्ण तत्त्व है लेकिन बढ़ती जनसंख्या कृषि पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है। ग्वालियर संभाग की 1961 की जनगणना के अनुसार कुल जनसंख्या 2012122 व्यक्ति थी जो 2011 की जनगणना के अनुसार 6628655 व्यक्ति हो गई है लेकिन संभाग का भौगोलिक क्षेत्र वही 28784 वर्ग कि.मी. था। अतः 1961 में 100 व्यक्तियों के लिए 1.43 वर्ग कि.मी. भूमि थी जो 2011 में घटकर 0.43 वर्ग कि.मी. ही रह गई। यह स्पष्ट करता है कि जनसंख्या वृद्धि से कृषि भूमि एवं विकास पर ऋणात्मक प्रभाव पड़ता है। ग्वालियर में कुल कार्यशील जनसंख्या का 70.2% भाग कृषि कार्य में संलग्न है। संभाग में लगभग 69.62% क्षेत्र पर कृषि होती है।

सारणी क्रमांक–7

ग्वालियर में भूमि उत्पादन क्षेत्र

वर्ष	Area (क्षेत्र) '000' Ha	Product (उत्पादन) '000' MT	Yield (उत्पाद) Kg/Ha
2015–16	53	225	4245
2014–15	49	167	3333
2013–14	57	246	4311

E-ISSN No: 2456-6713 Print ISSN No: 3048-6459

International Educational Applied Research Journal

Peer-Reviewed Journal-Equivalent to UGC Approved Journal

A Multi-Disciplinary Research Journal

2012–13	49	89	1915
2011–12	31	96	3310

स्रोत : **Estimates district Domestic Production M.P.**

2. उद्योग धन्धे

ग्वालियर में कई उद्योगों की स्थापना की गई है। स्वतंत्रता प्राप्ति से पूर्व भी ग्वालियर में सन् 1922–23 एवं 1931–32 में दो सूती वस्त्र उद्योग स्थापित किए गए थे। लघु उद्योगों में ग्वालियर का माचिस उद्योग उल्लेखनीय है। 1941–42 में डबरा (ग्वालियर) में चीनी उद्योग की स्थापना की गई। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद ग्वालियर में कपड़ा, शक्कर, रेशमी वस्त्र, चमड़ा आदि के उद्योग स्थापित किए गए।

सन् 1977 में स्टील स्टॉक यार्ड की स्थापना की गई। ग्वालियर में 2 अप्रैल 1979 को जिला उद्योग केन्द्र की स्थापना की गई। वर्ष 2005–06 की स्थिति के अनुसार ग्वालियर संभाग में 1280 उद्योग धन्धे केन्द्रित हैं जिनमें से 2 बड़े, 4 मध्यम और 1274 लघु उद्योग हैं। **सारणी क्रमांक–8**

ग्वालियर जिले औद्योगिक क्षेत्रों की विद्यमान स्थिति

क्र. सं.	औद्योगिक क्षेत्र का नाम	अधिग्रहित भूमि (हेक्टे. में)	विकसित भूमि (हेक्टे. में	प्रचलित दर प्रति वर्गमीटर (रूपये में)	भूखंडों की संख्या	आवंटित भूखंडों की संख्या	खाली भूखंडों की संख्या	उत्पादनरत इकाइयों की संख्या
1	पुराना औद्योगिक क्षेत्र, बिड़ला नगर	265.16	265.16	20 रू. के लिए एसएसआई 40 रू. के लिए एलएमई	68	68	शून्य	65
2	औद्योगिक क्षेत्र गोसपुरा		125.95	20 रू. के लिए एसएसआई 40 रू. के लिए एलएमई	96	–	शून्य	11
3	औद्योगिक क्षेत्र बिड़ला नगर	125.95	6.68	20 रू. के लिए एसएसआई 40 रू. के लिए एलएमई	35	35	शून्य	78
4	औद्योगिक क्षेत्र बाराघाटा		25.13	20 रू. के लिए एसएसआई 40 रू. के लिए एलएमई	62	62	शून्य	81
5	औद्योगिक क्षेत्र महाराजपुरा	6.68	40.9	20 रू. के लिए एसएसआई 40 रू. के लिए एलएमई	66	66	शून्य	135

E-ISSN No: 2456-6713 Print ISSN No: 3048-6459

International Educational Applied Research Journal

Peer-Reviewed Journal-Equivalent to UGC Approved Journal

A Multi-Disciplinary Research Journal

6	औद्योगिक क्षेत्र बरई	5.02	5.02	20 रू. के लिए एसएसआई 40 रू. के लिए एलएमई	127	127	शून्य	–
7	औद्योगिक क्षेत्र बिल्लौआ	25.13	–	20 रू. के लिए एसएसआई 40 रू. के लिए एलएमई	75	शून्य	75	–
8	औद्योगिक क्षेत्र बरई चिरवाई	3.646	3.646	20 रू. के लिए एसएसआई 40 रू. के लिए एलएमई	127	27	शून्य	–
	कुल	**492.2**	**472.49**	**20 रू. के लिए एसएसआई 40 रू. के लिए एलएमई**	**556**	**385**	**75**	**370**

स्रोत : DTIC, Gwalior.

3. यातायात

ग्वालियर में यातायात हेतु सड़क मार्ग, रेल मार्ग एवं वायु मार्ग उपलब्ध हैं, लेकिन सड़क यातायात ही मुख्यतः नगर की यातायात संरचना को प्रभावित करता है। विगत दशकों में ग्वालियर में वाहनों की संख्या में अत्यधिक वृद्धि हुई है। इसके परिणाम स्वरूप यातायात, परिवहन एवं पार्किंग संबंधी समस्याएँ परिलक्षित हो रहीं हैं। वर्ष 2020 में ग्वालियर में पंजीकृत वाहन 66612 थे।

सारणी क्रमांक–9

वाहन वृद्धि

Year	Two Wheeler	Four Wheeler	Goods Vehicle	Trucks	Other Vehicle	Total
2016–17	34593	6168	1553	1209	889	44412
2017–18	41274	7636	1970	2008	1042	53930
2018–19	46331	9285	2551	2779	1268	62214
2019–20	47353	12044	2592	3279	1344	66612
2020–21	33824	10266	1536	813	2188	48627

स्रोत : मध्यप्रदेश राजपत्र दिनांक 15 अक्टूबर 2021, ग्वालियर विकास योजना–2035 (प्रारूप)

E-ISSN No: 2456-6713 Print ISSN No: 3048-6459

International Educational Applied Research Journal

Peer-Reviewed Journal-Equivalent to UGC Approved Journal

A Multi-Disciplinary Research Journal

4. शैक्षणिक व्यवस्था

किसी देश एवं क्षेत्र के विकास में शिक्षा का महत्त्वपूर्ण स्थान होता है। ग्वालियर उच्च शिक्षा का केन्द्र है। यहाँ पर राष्ट्रीय स्तर के शैक्षणिक संस्थान हैं। प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों में अटल बिहारी राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रशिक्षण संस्थान, लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय, सिंधिया फोर्ट स्कूल, जीवाजी विश्वविद्यालय, कृषि विश्वविद्यालय, राजा मानसिंह तानसेन संगीत विश्वविद्यालय आदि। नगर की स्थानीय शिक्षा आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु ग्वालियर में निम्नानुसार शैक्षणिक सुविधाएँ उपलब्ध हैं –

सारणी क्रमांक–10

शैक्षणिक संस्थान विवरण

स.क्र.	शैक्षणिक संस्थान	संख्या
1.	विद्यालय (प्राथमिक / माध्यमिक / उच्चतर)	435
2.	महाविद्यालय	114
3.	विश्वविद्यालय (डीम्ड विश्वविद्यालयों सहित)	09

5. स्वास्थ्य सुविधाएँ

स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव में आर्थिक विकास अधूरा ही माना जायेगा। ग्वालियर में स्वास्थ्य सुविधाएँ पर्याप्त हैं। ग्वालियर में मेडीकल कॉलेज, जयारोग्य अस्पताल, माधव डिस्पेंसरी, मुरार जिला अस्पताल, मुरार प्रसूति गृह सहित कुल 24 शासकीय अस्पताल एवं 152 से अधिक निजी अस्पताल / नर्सिंगहोम हैं। यह वर्तमान आबादी की स्वास्थ्य आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु पर्याप्त हैं।

6. प्रशासनिक व्यवस्था

ग्वालियर नगर ग्वालियर संभाग का मुख्यालय है अतः यहाँ पर अनेक संभागीय कार्यालय हैं। इसके अतिरिक्त यहाँ पर कुछ राज्य स्तरीय कार्यालय भी संचालित होते हैं जिनमें आयुक्त भू–अभिलेख एवं बंदोबस्त, आयुक्त ट्रांसपोर्ट एवं आयुक्त आबकारी, राजस्व मण्डल, महालेखाकार मध्यप्रदेश प्रमुख हैं।

7. आवासीय व्यवस्था

E-ISSN No: 2456-6713 Print ISSN No: 3048-6459

International Educational Applied Research Journal

Peer-Reviewed Journal-Equivalent to UGC Approved Journal

A Multi-Disciplinary Research Journal

2011 की जनगणना के अनुसार ग्वालियर नगर में 1,89,156 आवासों में 2,31,924 परिवार निवास करते हैं। नगर में लगभग 42,768 आवासीय इकाइयों की कमी है। ग्वालियर विकास योजना 2035 में अनुमानित जनसंख्या 24 लाख के लिए परिवार आकार 5 व्यक्ति के आधार पर आवासीय इकाइयों का अनुमान लगाया गया है जिसका विवरण निम्न है –

सारणी क्रमांक–11

परिवार एवं आवास आवश्यकताएँ

क्रमांक	विवरण	2011	2035 (अनुमानित)
1	जनसंख्या (लाख में)	12,48,604	24,00,000
2	औसत परिवार आकार	5.38	5.00
3	परिवारों की संख्या	2,31,924	4,80,000
4	आवास उपलब्धता	1,89,156	–
5	आवास कमी	42,768	–
6	2035 के लिए अत्यधिक आवास आवश्यकताएँ	–	2,90,44

स्रोत : नगर तथा ग्राम निवेश, मध्यप्रदेश राजपत्र, दिनांक 15 अक्टूबर 2021, ग्वालियर विकास योजना 2023

प्रधानमंत्री आवास योजना (PMAY) भारत सरकार की एक योजना है जिसके माध्यम से नगरों व ग्रामीण इलाकों में रहने वाले निर्धन लोगों को उनकी क्रय शक्ति के अनुकूल घर प्रदान किये जाते हैं। ग्वालियर नगर निगम में इस योजना के तहत 16200 लोगों को लाभ मिलने का लक्ष्य रखा गया है जोकि सकारात्मक पहल है जिसके अन्तर्गत 2000 फ्लेटों के निर्माण का प्रस्ताव है।

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत शहर में मानपुर साइट पर कम कीमत वाले 912 आवास बनाए जा रहे हैं, इनके लिये अभी तक केन्द्र सरकार द्वारा 1.50 लाख रूपये का अनुदान दिया जा रहा है इसलिए उक्त आवास 7 लाख रूपये में मिल रहा था किन्तु अब यह आवास 1.50 लाख रूपये का अनुदान और मिलने पर अब केवल 5.50 लाख रूपये में ही उपलब्ध हो जायेगा। कुल मिलाकर कम कीमत वाले आवास में 3 लाख रूपये का अनुदान गरीब लोगों को मिलेगा।

E-ISSN No: 2456-6713 Print ISSN No: 3048-6459

International Educational Applied Research Journal

Peer-Reviewed Journal-Equivalent to UGC Approved Journal

A Multi-Disciplinary Research Journal

8. संचार एवं विद्युत व्यवस्था

संचार का अर्थव्यवस्था में महत्त्वपूर्ण स्थान होता है। ग्वालियर में अन्तर्राष्ट्रीय गेट–वे सुविधा के विस्तार के साथ आई.टी. पार्क भी उपलब्ध है, इसके लिए प्रशिक्षित मानव शक्ति के स्रोतों के रूप में सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रबंध संस्थान तथा अनेक इंजीनियरिंग कॉलेज उपलब्ध हैं। ग्वालियर नगर में दूर संचार अधोसंरचना में टेलीफोन केन्द्र एवं ओ.एफ.सी. (Optical Fibre Cable) का विकास भारतीय दूर संचार निगम के साथ जियो, एयरटेल आदि निजी कम्पनियों द्वारा किया गया है। मोबाइल कम्पनियों द्वारा टॉवर लगाए जाकर मोबाइल टेलीफोन सेवा उपलब्ध कराई जा रही है। इसके साथ ही ग्वालियर में विद्युत व्यवस्था भी पर्याप्त है।

9. स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत सुधार

मध्यप्रदेश के ग्वालियर शहर में स्मार्ट सिटी पहल को दो प्रमुख रणनीतियों के माध्यम से क्रियान्वित किया गया : क्षेत्र आधारित विकास (एबीडी) दृष्टिकोण और पैन–सिटी दृष्टिकोण। एबीडी रणनीति में रेट्रोफिटिंग, पुनर्विकास और ग्रीनफील्ड विकास शामिल था, जो व्यापक वृद्धि के लिए विशिष्ट क्षेत्रों को लक्षित करता था। एबीडी रणनीति के तहत, ग्वालियर के परियोजना मॉड्यूल ने विरासत और संस्कृति को संरक्षित करने, केवल पैदल यात्री क्षेत्रों और बुद्धिमान यातायात प्रणालियों के साथ गतिशीलता बढ़ाने और उन्नत पार्कों और खेल मैदानों के माध्यम से सामाजिक पहलुओं को बढ़ाने पर ध्यान केन्द्रित किया।

स्मार्ट सिटी मिशन के तहत ग्वालियर शहर में विभिन्न जंक्शनों को सुन्दर व सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से उन्नयनीकरण का कार्य किया जा रहा है। इस परियोजना के अंतर्गत प्रथम चरण में ग्वालियर शहर के मुख्य जंक्शन तानसेन चौराहा, हजीरा व उरवाई गेट जंक्शन का उन्नयनीकरण किया जा रहा है।

10. बैंकिंग सुविधाएँ

ग्वालियर में बैंकिंग सुविधाएँ उपलब्ध हैं। यहाँ पर सरकारी, सहकारी एवं निजी बैंकों की सुविधाएँ उपलब्ध हैं। प्रमुख बैंकों में– पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ इण्डिया, बैंक ऑफ बड़ौदा, बैंक ऑफ महाराष्ट्र, स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया, यूको बैंक, यूनियन बैंक, यूनाइटेड बैंक ऑफ इण्डिया, विजया बैंक, सिंडीकेट बैंक आदि बैंक हैं। जिले में 253 बैंक शाखा का नेट वर्क है जिसमें वाणिज्य बैंक, सेन्ट्रल मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक, जिला सहकारी बैंक की क्रमशः 223, 17, 13, शाखाएँ हैं, इनके अलावा ग्वालियर जिले में 76 प्राथमिक कृषि समितियाँ भी कार्यरत हैं। ग्वालियर केन्द्रीय सहकारी बैंक को लाइसेन्स मिला हुआ है और सीबीएस लागू होने

E-ISSN No: 2456-6713 Print ISSN No: 3048-6459

International Educational Applied Research Journal

Peer-Reviewed Journal-Equivalent to UGC Approved Journal

A Multi-Disciplinary Research Journal

से बैंक द्वारा एन ई एफ टी/ आर टी जी एस सेवाएँ दी जा रहीं हैं। ग्राहकों को डेबिट कार्ड और किसान कार्ड जारी करने का कार्य प्रगति पर है।

निष्कर्ष

ग्वालियर शहर में बड़े पैमाने पर आर्थिक विकास हुआ है, जिसके परिणामस्वरूप ग्वालियर की सूरत व सीरत दोनों ही बदले हैं। ग्वालियर की देश के प्रमुख शहरों में गिनती होती है क्योंकि ग्वालियर आर्थिक विकास की तेज गति से विकसित हुआ है। ग्वालियर के उद्योग धन्धे क्षेत्रीय जनता को रोजगार देने में सहयोगी हैं किन्तु बढ़ती जनसंख्या के लिए पर्याप्त नहीं है। राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार दोनों ही ग्वालियर के विकास हेतु अग्रसर हैं। राज्य सरकार द्वारा शहर के विकास हेतु सड़क, पानी, बिजली, संचार आदि के लिए सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। स्मार्ट सिटी के अन्तर्गत नवीन पुलों का निर्माण, सड़कों का निर्माण किया जा रहा है। नगर का सौन्दर्यीकरण कर रेलवे स्टेशन को भव्य एवं आकर्षक रूप देने की तैयारी है। ग्वालियर नगर को स्मार्ट सिटी एवं अमृत योजना में चयनित किया गया है। ग्वालियर विकास योजना 2035 में सुदूर संवेदन एवं जी.आई.एस. तकनीक का उपयोग कर ग्वालियर का विकास किया जाना प्रस्तावित है।

सुझाव

- राज्य सरकार को ग्वालियर के और अधिक आर्थिक विकास हेतु नई योजनाएँ बनाकर व्यवसाइयों को उद्योग के लिए आमंत्रित करना चाहिए।
- शासकीय विकास योजनाओं के संचालन में पारदर्शिता होनी चाहिए।
- ग्वालियर जिला उद्योग केन्द्र द्वारा स्वरोजगार हेतु चलाई जा रहीं योजनाओं की जानकारी आम नागरिक तक पहुँचाई जाना चाहिए।
- ग्वालियर में बन्द पड़े उद्योगों का पुनः संचालन होना चाहिए।

संदर्भ ग्रंथ सूची

E-ISSN No: 2456-6713 Print ISSN No: 3048-6459

International Educational Applied Research Journal

Peer-Reviewed Journal-Equivalent to UGC Approved Journal

A Multi-Disciplinary Research Journal

1. डॉ. प्रमिला कुमार एवं डॉ. श्रीकमल शर्मा (2010), मध्यप्रदेश एक भौगोलिक अध्ययन, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी भोपाल।
2. तिवारी रामकुमार (2017), जनसंख्या भूगोल, प्रवालिका प्रकाशन।
3. राव, बी.सी. (2016), आर्थिक भूगोल, वसुन्धरा प्रकाशन, गोरखपुर।
4. सिंह एण्ड सिंह जगदीश (2013), आर्थिक भूगोल के मूल तत्त्व, राधा प्रकाशन दिल्ली।
5. जिला जनगणना प्रतिवेदन–2011 (ग्वालियर)।
6. माहेश्वरी, एच.बी. जैसल (ग्वालियर इतिहास, संस्कृति एवं पर्यटन)।
7. ग्वालियर विकास योजना '' नियोजना प्रस्ताव'' 2004
8. मध्यप्रदेश राजपत्र दिनांक 15 अक्टूबर 2021, ग्वालियर विकास योजना–2035 (प्रारूप)
9. मजुपुरिया, संजय, ग्वालियर इतिहास और उसके दर्शनीय स्थल।
10. बघेल, डी.एस. (2009), औद्योगिक समाजशास्त्र, विवेक प्रकाशन दिल्ली।
11. Brief Instustrial Profile of Gwalior District, Ministry of MSME, Government of India.
12. NFHS – 04 (2015-16), NFHS (2019-21).
13. National family health survey (NFHS-5).
14. Indicator (Madhya Pradesh (NHSRC).
15. मध्यप्रदेश जिला घरेलू उत्पाद के अनुमान (2011–12 से 2020–21). आर्थिक एवं सांख्यिकी संचालनालय, मध्यप्रदेश।
16. आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश रोडमैप 2023 के संदर्भ में प्रमुख फसलों का जिलेवार उत्पादन और उपभोग विश्लेषण (वर्ष 2017–18 से 2019–20 तक), आर्थिक एवं सांख्यिकी संचालनालय, मध्यप्रदेश।
17. ग्वालियर विकास योजना पुस्तक–2021.